Hindi – हिन्दी

राष्ट्रीय मनोभ्रंश (डिमेंशिया) कार्य योजना - संक्षिप्त विवरण

इस दस्तावेज़ में राष्ट्रीय मनोभ्रंश (डिमेंशिया) कार्य योजना 2024-34 (इस कार्य योजना) का संक्षिप्त विवरण है, जो कि ऑस्ट्रेलिया में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से ग्रस्त लोगों के जीवन और देखभाल में सुधार लाने के लिए एक 10 वर्षीय योजना है।

इस कार्य योजना में क्या-क्या है

इस कार्य योजना में 8 ऐसे कार्य शामिल हैं जो, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे ऑस्ट्रेलियाई व्यक्तियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु वास्तविक और स्थायी सकारात्मक परिवर्तनों के लिए अवसर प्रदान करते हैं। इस कार्य योजना में सहयोग करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना काम करना है। सभी सरकारी स्तरों के साथ-साथ, सेवा प्रदाता, व्यवसाय, समुदाय और ग़ैर-सरकारी क्षेत्र के उद्‌यम भी, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों, उनके परिवारवालों और देखभालकर्ताओं को सहयोग दे सकते हैं।

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) एक ऐसी स्वास्थ्य समस्या है जो बढ़ती जा रही है, और इसका लोगों पर, उनके परिवार और देखभालकर्ताओं पर उल्लेखनीय असर पड़ता है। वर्तमान में, 400,000 से भी अधिक ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे हैं, और 2058 तक यह सँख्या बढ़कर दोगुना से भी अधिक हो जाएगी।

प्रगति

इस कार्य योजना को, मनोभ्रंश डिमेंशिया से पीड़ित व्यक्तियों, तथा उनके परिवार के सदस्यों और देखभालकर्ताओं के अलावा, उच्च निकायों. स्वास्थ्य प्रोफेशनल्स, अनुसंधानकर्ताओं एवम् वृद्‌ध देखभाल और अक्षमता सहायता प्रदाताओं से गहन परामर्श से मिली जानकारी के आधार पर तैयार किया गया है।

कार्यान्वयन

यह कार्य योजना, ऑस्ट्रेलियाई सरकार, राज्यों तथा टेरीटोरियों की सरकारों के बीच एक साझा योजना है। इसे श्रंखलाबद्‌ध कार्यान्वयन योजनाओं के माध्यम से लागू किया जाएगा। पहली कार्यान्वयन योजना में उन क्षेत्रों

में इसे लागू करने का लक्ष्य रखा जाएगा जिन्हें हितधारकों ने तत्काल आवश्यकता क्षेत्र के रुप में चिन्हित किया है। यह योजना 2025 में चालू की जाएगी।

निगरानी तथा मूल्यांकन

Australian Institute of Health and Welfare के, राष्ट्रीय मनोभ्रंश (डिमेंशिया) निगरानी केन्द्र द्वारा, इस कार्य योजना से संबंधित आकड़े एकत्रित किए जाएँगे और इसकी प्रगति की निगरानी की जाएगी। इस केन्द्र द्वारा एक वेब-आधारित कार्य योजना डैशबोर्ड को प्रस्तुत और निरंतर संचालित किया जाएगा जिसे कार्यान्वयन में हुई प्रगति की रिपोर्ट पेश करने के लिए हर साल अपडेट किया जाएगा।

किए जाने वाले कार्य

इस कार्य योजना में उच्च स्तरीय कार्य शामिल हैं जिनका उद्देश्य है मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के प्रति जागरूकता बढ़ाना, निवासियों में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) होने के ख़तरे को कम करना, और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए और भी ज़्यादा समन्वित सेवाओं का संचालन करना।

कार्य 1: समता तथा मानव अधिकारों को बढ़ावा देना

कार्य 2: नकारात्मक विश्वासों को दूर करने का प्रयास करना, जागरूकता बढ़ाना और समावेशिता को प्रोत्साहन देना

कार्य 3: व्यक्तियों तथा समुदायों द्वारा जहाँ भी ख़तरा कम किया जा सकता है वहाँ उन्हें ऐसा कर सकने के लिए सशक्त बनाना, तथा ख़तरे की शुरुआत और वृद्धि को रोकना

कार्य 4: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान किए जाने को तथा पहचान होने के बाद की- देखभाल और सहायता को बेहतर बनाना

कार्य 5: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए उपचार, समन्वय और सहायता को बेहतर बनाना

कार्य 6: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के देखभालकर्ताओं को सहयोग देना

कार्य 7: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों की देखभाल और सहायता करने के लिए कार्यबल की क्षमता को बढ़ाना

कार्य 8: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के आकड़ों को बेहतर बनाना, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से संबंधित शोध के असर को अधिकाधिक करना और नई खोज (इनोवेशन) को बढ़ावा देना

कार्य 1: समता तथा मानव अधिकारों को बढ़ावा देना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

मेरे अधिकारों को समर्थन प्राप्त है। मुझमें स्वायत्तता, अर्थ और पहचान की भावना है, और मैं असमानता और दुर्व्यवहार से मुक्त जीवन जीता हूँ। मैं अपनी आवश्यकताओं और पसंद को पूरा करने वाली सूचनाओं, सहायताओं और सेवाओं को प्राप्त कर सकता हूँ। मैं साँस्कृतिक रुप से सुरक्षित और संपूर्ण देखभाल प्राप्त कर सकता हूँ।

हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. मनोभ्रंम डिमेंशिया के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों को इन सुधारों में शामिल करना जिसमें इस कार्य योजना के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की पहचान, प्रगति और मूल्यांकन के काम में उन्हें सम्मिलित करना भी शामिल है।
2. मनोभ्रंम (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों को विकल्पों को चुनने और उनके जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लेने के लिए और भी अच्छी तरह से समर्थ बनाने हेतु संसाधनों का प्रचार करना और उन संसाधनों तक पहुँच को आसान बनाना ताकि वे भरोसेमंद लोगों की सहायता से निर्णय ले सकें।
3. नए वृद्ध देखभाल अधिनियम के निर्माण में, मानव अधिकारों को तथा भरोसेमंद लोगों की सहायता से निर्णय लेने के सिद्धांतो को आधार बनाना।
4. मनोभ्रंम (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्ति सभी प्रकार के अपमानजनक और अमानवीय बर्तावों, हिंसा, शोषण, उपेक्षा या दुर्व्यवहार से मुक्त रहें यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों को जारी रखना और उनमें सुधार करना।
5. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के लोगों और समुदायों की, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की साँस्कृतिक दृष्टि से उचित ऐसी जानकारी, देखभाल और सहायता तक पहुँच को बेहतर बनाना जो जानकारी, पहचान और देखभाल से संबंधित उनकी विशेष ज़रूरतों को ध्यान में रखती हो।
6. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के लोगों के लिए पहल और फंडिंग के तंत्र को, Closing the Gap [फासले को कम करना] पर राष्ट्रीय एग्रीमैंट के प्राथमिकता वाले सुधारों और National Aboriginal and Torres Strait Islander Health Plan [राष्ट्रीय एबोरीजनल एवम् टोरस स्ट्रेट आईलैंडर स्वास्थ्य योजना] 2021-2031 के साथ तालमेल में रखना। इससे मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के लोगों की सहायता के लिए एक समुदाय नियंत्रित सैक्टर का विकास आसान हो जाएगा और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) देखभाल और सहायता के लिए समुदाय के नेतृत्व वाली, स्थल-आधारित पद्धतियाँ लागू होंगी।
7. साँस्कृतिक और भाषाई रूप से विविध समुदायों (CALD) तथा अन्य विविध समुदायों के लिए मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की, साँस्कृतिक रुप से उचित ऐसी जानकारी तक पहुँच को बेहतर बनाना जो मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के प्रति जागरूकता, ख़तरे में कमी, पहचान और देखभाल की उनकी आवश्यकताओं को पूरा करती हो।
8. जहाँ भी उचित हो, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पहल और फंडिंग तंत्र के Australia's Disability Strategy [ऑस्ट्रेलिया की अक्षमता रणनीति] 2021-2031 के साथ तालमेल को बेहतर बनाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अक्षमता वाले जो व्यक्ति मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे हैं वे, समुदाय के बराबरी वाले सदस्यों के रूप में, अपने सामर्थ्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।

परिवर्तन के लिए आवश्यकता	मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों के केन्द्र में है, समता तथा मानव अधिकार। इसके कारण यह सुनिश्चित होगा कि उन लोगों को स्वास्थ्य तथा वृद्ध देखभाल सेवाएँ प्राप्त हो सकें एवम् उनका स्वावलंबन और पसंद संरक्षित रहे।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	ऑस्ट्रेलियाई समाज के सभी वर्गों द्वारा, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं की समता और मानव अधिकारों को बढ़ावा दिया जाए ताकि वे, सम्मान, समता तथा गरिमा के साथ, दुर्व्यवहार से मुक्त, स्वतंत्र रूप से जीवन बिताने के लिए सुरक्षित और सशक्त महसूस करें। मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे प्रत्येक व्यक्ति को ऐसी बहुत ही अच्छी मनोभ्रंश (डिमेंशिया) देखभाल और सहायताएँ प्राप्त हों जो उनकी आवश्यकताओं और पसंद को पूरा करती हों।
हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों को महसूस हो कि उनका अपने जीवन पर ज़्यादा नियंत्रण हो गया है। 2. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, साँस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से विविध (CALD) तथा अन्य विविध समुदायों के, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों सहित इस तरह के अन्य सभी लोगों के लिए भरोसेमंद लोगों की सहायता से निर्णय लेने की सुलभता का और इस प्रकार के निर्णयों के बारे में उनकी समझ में वृद्धि। 3. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, साँस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से विविध (CALD) तथा अन्य विविध समुदायों के मनोभ्रंश डिमेंशिया के बारे में, यथोचित रूप से लक्षित तथा साँस्कृतिक रुप से उचित संसाधनो की उपलब्धता में वृद्धि, इनमें सरकारी संसाधन भी शामिल हैं। 4. क्षेत्रीय, ग्रामीण तथा सुदूरवर्ती स्थानों पर रहने वाले लोगों के लिए मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान और सहायता की सुविधा की सुलभता में सुधार।

कार्य 2: नकारात्मक विश्वासों को दूर करने का प्रयास करना, जागरूकता बढ़ाना और समावेशिता को प्रोत्साहन देना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

मुझे समाज में सुरक्षित और संलग्न महसूस होता है, और मुझमें यह भावना है कि मेरी कोई महत्ता और पहचान है। मैं नकारात्मक विश्वासों, भेदभाव और दुरुपयोग से मुक्त जीवन जीता हूँ।

हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. ऑस्ट्रेलिया की जनता में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की समझ को बेहतर बनाने के लिए, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में जागरूकता को और भी फ़ैलाना, इसमें संबंधित लोगों द्वारा अपने जीवन में हुए अनुभवों की कहानी बताना भी शामिल है।
2. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से संबंधित संवादों को तैयार करने, मिल-जुल कर उन्हें डिज़ाइन करने, उनका परीक्षण करने और उन संवादों को ज़रूरत के अनुसार बनाने के लिए, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं के साथ मिलकर काम करना।
3. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के प्रति जागरूकता से जुड़ी जानकारी और संसाधनों को तैयार करने, मिल-जुल कर उन्हें डिज़ाइन करने, उनका परीक्षण करने और ज़रूरत के अनुसार बनाने के लिए, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के साथ मिलकर काम करना जिनमें First Nations [प्रथम-राष्ट्रों] के व्यक्ति, साँस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से विविध (CALD) समुदाय, महिलाएँ और बालिकाएँ, युवा, अक्षमता वाले व्यक्ति तथा LGBTIQA+ समुदाय के, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोग भी शामिल हैं।
4. वृद्ध देखभाल तथा अक्षमता सहायता सेवाओं, अस्पतालों, सार्वजनिक स्थलों, व्यवसायों और स्थानीय सेवाओं में, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) ग्रस्त व्यक्तियों को सक्षम बनाने से संबंधित, पहले से उपलब्ध डिज़ाइन और अभ्यासों को बेहतर बनाना। इससे, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों द्वारा भाग लेने के अवसर अधिकाधिक हो जाएँगे।

परिवर्तन के लिए आवश्यकता	हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति मनोभ्रंश (डिमेंशिया) को समझता हो, स्वीकार करता हो और इसके बारे में जानता हो। इसके कारण, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्ति समुदाय का हिस्सा बन सकते हैं और महत्ता तथा गरिमा के साथ अपना जीवन बिता सकते हैं।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	ऑस्ट्रेलियाई समाज मनोभ्रंश (डिमेंशिया) समावेशी समाज हो जो मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं को समझता हो। वो उनको समाज में पूर्णतया भागीदारी के लिए सक्रियता से सक्षम बनाने वाला हो तथा आत्म-निर्भर होकर अपने समुदाय में और अधिक समय तक रहने में उनकी सहायता करे।

हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के प्रति ऑस्ट्रेलियावासियों के मन में नकारात्मक विश्वास में कमी तथा रुख़ में सुधार हुआ हो। 2. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) क्या होता है इस बारे में ऑस्ट्रेलियावासियों के ज्ञान में सुधार हुआ हो और इसका मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिताने वाले लोगों पर कैसे प्रभाव पड़ रहा हो। 3. लोगों की इस बात की इच्छा बढ़ गई हो कि: a) यदि उन्हें लगता है कि उनमें मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के लक्षण हैं तो सहायता माँगने की b) उनको मनोभ्रंश (डिमेंशिया) है यह पहचान होने पर इस जानकारी को साझा करने की 4. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के प्रति उदार समुदायों की सँख्या में वृद्धि हुई हो। 5. नकारात्मक विश्वास, भेदभाव और दुर्व्यवहार को झेलने वाले, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों की सँख्या में कमी आई हो।

कार्य 3: व्यक्तियों तथा समुदायों द्वारा जहाँ भी ख़तरा कम किया जा सकता है वहाँ उन्हें ऐसा कर सकने के लिए सशक्त बनाना, तथा ख़तरे की शुरुआत और वृद्धि को रोकना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

मुझे ऐसे कदम उठाने के लिए सहयोग उपलब्ध है जहाँ मैं एक स्वस्थ जीवन शैली बनाए रख सकता हूँ, ख़तरों को कम से कम कर सकता हूँ और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की प्रगति में देरी ला सकता हूँ।

हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. ऑस्ट्रेलियावासियों में ख़तरे के कारकों के प्रति जागरुकता को बढ़ाकर और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) होने के ख़तरे को कम करने, इसकी शुरुआत होने में देरी लाने वाले या इसे फ़ैलने की गति को कम करने के लिए जो भी निरोधक कदम उठाए जा सकते हैं वे कदम उठाकर। इसमें स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले और रोकथाम करने वाले ऐसे कार्यक्रम शामिल हैं जो सामान्य स्वास्थ्य में सहायक हों।
2. लोगों द्वारा खेलकूद, व्यायाम और गतिशीलता में नियमित और सुरक्षित रूप से हिस्सा लिए जाने से, दिमाग़ को होने वाले लाभों का प्रचार करके।
3. दिमाग़ी स्वास्थ्य में सुधार के लिए कार्य-नीतियों के प्रति जागरूकता को बढ़ाकर और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) का शीघ्र पता लगाने और हस्तक्षेप के लिए समस्त जनसँख्या के दिमाग़ी स्वास्थ्य पर ध्यान देने वाले दृष्टिकोण स्थापित करके।
4. विविध पृष्ठभूमि वाले समुदायों के लिए या जिन समुदायों में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के होने का ख़तरा ज़्यादा है उनके लिए, संबंधित समुदायों की सहभागिता के साथ लक्षित कार्यनीतियों और संदेशों को तैयार करके।
5. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के ख़तरे को कम करने के लिए प्रमाण-आधारित हस्तक्षेपों को लागू करके, इसमें जिन लोगों में इसका ख़तरा ज़्यादा है उनके लिए और जिन लोगों में हल्की संज्ञानात्मक दुर्बलता (MCI) है उनके लिए भी इस प्रकार के हस्तक्षेप लागू करना शामिल हैं।

परिवर्तन के लिए आवश्यकता	वृद्धावस्था की ओर अग्रसर होना उन कारकों में से केवल एक कारक है जो मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की ओर ले जा सकते हैं। हमारा स्वास्थ्य, परिवेश, और आनुवंशिकता जैसी चीज़ें भी इसका कारण हो सकती हैं।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	लोग-बाग उन कारकों को समझने लगें जिनसे उन्हें मनोभ्रंश (डिमेंशिया) होने का ख़तरा बढ़ता है और जीवन के सभी चरणों में वे जहाँ भी इन ख़तरों को कम करने के लिए कदम उठा सकते हैं वहाँ उनके पास ऐसा करने के लिए सहयोग उपलब्ध हो।
हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. सामान्य जनता में तथा जिन समुदायों में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) होने का उच्च ख़तरा है उनमें, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के ख़तरे के कारकों का ज्ञान बेहतर हुआ हो। 2. देखभाल करने वाले मुख्य कार्यबलों में, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के ख़तरे को कम करने और शुरुआत में देरी करने के तरीकों की समझ में वृद्धि हुई हो।

	3. और ज़्यादा सँख्या में ऑस्ट्रेलियाई व्यक्तियों द्वारा ख़ुद को मनोभ्रंश डिमेंशिया होने के ख़तरे को कम करने के लिए कदम उठाए जाएँ।

कार्य 4: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान किए जाने को तथा पहचान होने के बाद की- देखभाल और सहायता को बेहतर बनाना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य मैं मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के संकेतों को पहचान सकता हूँ और यह समझता हूँ कि यदि मुझे कोई आशंका हो तो मुझे कहाँ जाना है। मैं उन स्वास्थ्य प्रोफेशनल्स के पास जा सकता हूँ जो मेरे लक्षणों का आकलन करने के लिए और समय पर रोग की पहचान के लिए तैयार हैं और ऐसा कर सकते हैं। मैं, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान होने के तुरंत बाद मेरी, मेरे देखभालकर्ता की और मेरे परिवार की सहायता करने वाली जानकारी और सहयोगकर्ताओं से जुड़ा हुआ हूँ।
हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं? 1. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों की देखभाल के लिए जो क्लिनिकल अभ्यास दिशा-निर्देश हैं उनकी हर 3 से 5 साल में समीक्षा और नवीनीकरण करके। 2. हर 3 से 5 साल में इस बात की समीक्षा करके कि, Medicare Benefits Schedule [मेडीकेयर लाभ अनुसूची] (MBS) तथा Pharmaceutical Benefits Scheme [औषधीय लाभ योजना] (PBS) से, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की प्रभावशाली रूप से पहचान तथा निरंतर प्रबंधन में कैसे सहयोग मिलता है। 3. देश भर में, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की जाँच, आकलन तथा पहचान के लिए मार्ग स्पष्ट करके, इसमें सर्वश्रेष्ठ अभ्यास (तरीके) की पहचान करना भी शामिल है। 4. याददाश्त क्लिनिक्स की क्षमता और पहुँच बढ़ाकर और फंडिंग के मॉडल की समीक्षा करके। 5. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के लोगों के लिए, सुलभता, रोग की पहचान और देखभाल को बेहतर बनाने के लिए, लक्षित Aboriginal Community Controlled Health Organisations (ACCHOs) तथा Aboriginal Community Controlled Organisations (ACCOs) में याददाश्त क्लिनिकों को स्थापित करके। 6. विविध पृष्ठभूमि वाले समुदायों तथा विशेषज्ञों की सहभागिता से, साँस्कृतिक रूप से उचित, संज्ञानात्मक (कॉग्नेटिव) आकलन के साधनों को तैयार करके और उन्हें बढ़ावा देकर, तथा क्लिनिशियन्स को इन साधनों का उपयोग करने के लिए सहायक प्रशिक्षण देकर। 7. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान हो जाने के बाद, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं के लिए सहायता, देखभाल समन्वय और प्लानिंग को बेहतर बनाकर, इसमें First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के लोगों, साँस्कृतिक रूप से विविध (CALD) समुदायों तथा अन्य विविध समुदायों के लिए भी ऐसा करना शामिल है। 8. देखभाल के लिए अतिरिक्त बाधाओं का सामना कर रहे समूहों, जैसे कि मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे उन व्यक्तियों, जिनमें छोटी आयु में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की शुरुआत हो गई थी तथा मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे बच्चों और उनके परिवारों के लिए मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान और पहचान होने के बाद की सहायक सेवाओं और सहयोगों को बेहतर बनाकर।

9. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए, अक्षमता सहायता सेवाओं को बेहतर बनाकर और सहयोगों को स्थापित करके।	
परिवर्तन के लिए आवश्यकता	मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में शुरुआत में ही पता लग जाना महत्वपूर्ण है। मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए अपने जीवन का हो सके उतना आनंद उठाने में, स्वास्थ्य, वृद्ध देखभाल, और अक्षमता सेवाओं के सहयोग से सहायता मिलनी चाहिए।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के संकेतों को पहचाना जाने लगे, और हो सके उतना जल्दी लोगों में इसकी पहचान हो जाए, जिससे उन्हें इसके फैलाव को धीमा करने में, अपने सामर्थ्य को अधिकाधिक बनाने में और भविष्य के लिए योजना बनाने में सहायता मिले। लोगों को जानकारी प्रदान की जाती हो और उनमें मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की पहचान होने के बाद उन्हें तुरंत समन्वित सहायताओं से जोड़ा जाने लगे।

हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. सभी स्थानों पर, याददाश्त क्लिनिक्स में आकलन के लिए और पहचान-पश्चात पेश की जाने वाली देखभाल और सहायता सेवाओं में राष्ट्रीय स्तर पर और भी अच्छी एकरूपता होना। 2. याददाश्त क्लिनिक्स में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के लिए आकलन किए जाने वाले व्यक्तियों की सँख्या में वृद्धि हुई हो। 3. ACCHOs तथा ACCOs में स्थापित किए गए क्लिनिकों सहित याददाश्त क्लिनिकों में First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के जितने व्यक्तियों को देखा जाता है और मदद की जाती है उनकी सँख्या में वृद्धि हुई हो। 4. ऐसे लोगों की सँख्या में वृद्धि हुई हो, जिनमें मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के संकेत और लक्षण हों और उन्हें विशेषज्ञों द्वारा रेफरल मिलने के तीन महीने के भीतर देख लिया जाता है। 5. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के लक्षणों के पहली बार शुरु होने के बाद, लोगों को इसकी पहचान की पुष्टि मिलने में लगने वाले औसत समय में कमी आई हो। 6. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे ऐसे लोगों की सँख्या में वृद्धि हुई हो, जिनके पास अपने सामान्य चिकित्सक (GP) के साथ दीर्घकालीन रोग प्रबंधन प्लान चालू है। 7. पहचान के दौरान और पहचान-पश्चात का अनुभव सकारात्मक होने की सूचना देने वाले, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं की सँख्या में वृद्धि हुई हो। 8. छोटी आयु में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की शुरुआत के साथ जीवन बिता रहे लोगों की सँख्या में वृद्धि हुई हो और मनोभ्रंश डिमेंशिया से ग्रस्त बच्चों को पहचान करने वाली और पहचान-पश्चात की सेवाएँ और सहायताएँ प्राप्त हो रही हों और वे उनसे संतुष्ट हों, इसमें अक्षमता सेवाओं के माध्यम से सेवा और सहायता मिलना भी शामिल है।

कार्य 5: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए उपचार, समन्वय और सहायता को बेहतर बनाना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

मेरी क्षमताओं और आवश्यकताओं में बदलाव के साथ भी, मुझे मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ हो सके उतना भली-भाँति जीवन बिताने की उम्मीद है और मुझे इसके लिए आवश्यक सहायताएँ सुलभ हैं। मुझे जो सेवाएँ प्राप्त होती हैं उनसे संबंधित निर्णय लेने, संवाद करने और भाग लेने के लिए मुझे सहयोग प्राप्त है।

हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. MCI और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से ग्रस्त लोगों के लिए, शुरुआत में हस्तक्षेप, पुनः सक्षमीकरण के दृष्टिकोण, पुनर्स्थापन (रेस्टोरेटिव) देखभाल सहायताओं और संसाधनों की पहचान करके, इन्हें विकसित करके और इनका प्रचार करके।
2. जिस तरीके से मनोभ्रंश (डिमेंशिया) सहायताएँ प्रदान की जाती हैं उसमें लचीलेपन की व्यवस्था करके, इसमें आउटरीच लोगों तक पहुँच वाली प्रणालियों और तकनीकी के नई तरह से उपयोग के माध्यम से ये व्यवस्था करना भी शामिल है।
3. वृद्ध देखभाल तथा अक्षमता सहायता सेवाओं में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के लिए सर्वोत्तम देखभाल अभ्यास संभव बनाकर जो, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के जीवन की गुणवत्ता, उनकी सकुशलता और सुरक्षा में सुधार लाने पर ध्यान देने वाले हों और जो उनकी सामाजिक और साँस्कृतिक प्राथमिकताओं को पूरा करते हों।
4. आवासीय देखभाल गृहों में और समुदाय में रहने की व्यवस्था में, वृद्ध देखभाल. अक्षमता देखभाल, और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के अलावा अनौपचारिक देखभालकर्ताओं को, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों की आवश्यकताओं को और भी अच्छी तरह से समझने में सहयोग देकर। इसमें, प्रतिबंधित करने वाले अभ्यासों के अनुचित उपयोग के बिना, बर्तावों और परिवेशों में बदलाव शामिल है।
5. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के ज़्यादा जटिल या गंभीर तथा मनोवैज्ञानिक लक्षणों वाले लोगों के लिए सेवाओं में सुधार करके, इसमें यथोचित आवासीय देखभाल तथा देखभाल के नए मॉडल्स की उपलब्धता बढ़ाना भी शामिल है।
6. देखभाल में तालमेल और निरंतरता को बेहतर बनाने के लिए, प्राथमिक देखभाल, अक्षमता सहायता, वृद्ध देखभाल तथा अस्पताल सेटिंग्स के बीच तंत्र-स्तर पर परस्पर बातचीत और सूचनाओं के आदान-प्रदान को बेहतर बनाकर।
7. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों की, अस्पताल में भर्ती होते समय क्या ज़रुरते होती हैं उनकी पहचान करके। नुक़सान के संभावित ख़तरे को कम करने के लिए सहायताएँ, संबंधित कार्य-प्रणालियाँ (स्ट्रक्चर्स) तथा देखभाल तैयार रखकर, देखभाल के लिए व्यक्ति-केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाकर तथा यह सुनिश्चित करके कि अस्पताल सेवाओं में आते या जाते समय ट्रांज़िशन,सुरक्षित और प्रभावशाली हो।
8. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए पेलिएटिव (प्रशामक) देखभाल हेतु बेहतर तरीकों और विकल्पों की पहचान करके, इन्हें स्पष्ट करके और इन्हें बढ़ावा देकर।
9. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के लिए, पेलिएटिव देखभाल के

सॉंस्कृतिक रूप से उचित विकल्पों, देखभाल की पहले से योजना बनाने के बारे में सलाह तथा संसाधनों और पेलिएटिव देखभाल को बढ़ावा देकर।	
परिवर्तन के लिए आवश्यकता	मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल, वृद्ध देखभाल, तथा अक्षमता सहायताओं का मिलकर काम करना और परस्पर सूचनाओं का आदान-प्रदान महत्वपूर्ण है।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्ति तथा उनके परिवार ऐसी समन्वित, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) समावेशी सेवाओं से जुड़े हुए हों जो उनकी व्यक्तिगत तथा बदलती आवश्यकताओं को पूरा करती हों। मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के पास स्वायत्तता हो और उन्हें अपनी देखभाल तथा अन्य सहायताओं से संबंधित निर्णय लेने के लिए सहयोग प्राप्त हो, यदि और जब उनको इनकी ज़रूरत हो।

हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए देखभाल का समन्वय बेहतर हुआ है। 2. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों और उनके देखभालकर्ताओं को जिन सेवाओं और सहायताओं की ज़रूरत हो उन तक पहुँचने के लिए, स्वास्थ्य, वृद्ध देखभाल तथा अक्षमता सहायता प्रणालियों को नेविगेट करना उन्हें आसान लगने लगा हो। 3. उपयुक्त मनोभ्रंश डिमेंशिया सेवाओं और सहायताओं तक First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के ज़्यादा लोगों की पहुँच हो गई हो। 4. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के अनुभव और परिणाम बेहतर हुए हों। 5. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे, नियमित रूप से दवाईयों की समीक्षा करवाने वाले लोगों की सँख्या में वृद्धि हुई हो। 6. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए अस्पताल में और ट्राज़िशन के दौरान होने वाले अनुभव बेहतर हुए हों, जैसे कि टाली जा सकने वाली अस्पताल में भर्तियों की सँख्या में कमी और अनुचित रूप से लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने वालों की सँख्या में कमी आई हो। 7. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए, वृद्ध देखभाल के अनुभव और परिणाम बेहतर हुए हों। 8. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे ऐसे लोगों की सँख्या में कमी आई हो जो वृद्ध देखभाल में अनुचित रूप से प्रतिबंधित अभ्यासों के उपयोग को झेलते हैं। 9. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से ग्रस्त रहकर जीवन बिता रहे लोगों के लिए, देखभाल की पहले से योजना बनाने और पेलिएटिव देखभाल में सुधार हुआ हो। 10. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए साँस्कृतिक रूप से उचित, देखभाल की पहले से योजना बनाने और पेलिएटिव देखभाल में बढ़ोतरी हुई हो।

कार्य 6: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के देखभालकर्ताओं को सहयोग देना

<table>
<tr><td colspan="2">मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

मेरे देखभालकर्ताओं को भली-भाँति सहयोग मिलता है और वे अपने ख़ुद के स्वास्थ्य और सकुशलता को अच्छा रख सकते हैं। मेरे देखभालकर्ता और मैं आपस में एक अर्थपूर्ण और लाभदायक संबंध बनाए रख सकते हैं।</td></tr>
<tr><td colspan="2">हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. देखभालकर्ताओं की, साँस्कृतिक दृष्टि से सुरक्षित तथा समावेशी दृष्टिकोण सहित, देखभाल में एक साझेदार के रूप में सक्रिय संलग्नता सुनिश्चित करके।
2. देखभालकर्ताओं तथा परिवारों को, शिक्षा और प्रशिक्षण सुलभ करवाकर, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) और उसके फैलने से संबंधित उनके ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए सहायता करके, जिसमें First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के लिए लक्षित जानकारी भी शामिल है।
3. राहत के विकल्पों में ऐसे सुधार लाकर, जो मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से ग्रस्त रहकर जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।
4. My Aged Care, Carer Gateway तथा National Demantia Helpline [राष्ट्रीय डिमेंशिया सहायतालाइन] (निःशुल्क तथा गोपनीय सहायता सेवा) की सुलभता को बेहतर बनाकर।
5. वृद्ध देखभाल के लिए आकलन प्रक्रियाओं में देखभालकर्ताओं की ज़रूरतों पर ध्यान देने को बेहतर बनाकर तथा देखभालकर्ताओं के बोझ और तनाव को कम करने के तरीकों को बढ़ाकर।
6. आपातकालीन या समुदाय अथवा अस्पताल से परिवर्ती (ट्रांज़िशनल) आवासीय राहत देखभाल की सुलभता को बेहतर बनाकर, इसमें First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों से आने वाले देखभालकर्ताओं के लिए भी इस सुलभता को बेहतर बनाना शामिल है।</td></tr>
<tr><td>परिवर्तन के लिए आवश्यकता</td><td>देखभालकर्ता, ऑस्ट्रेलिया की स्वास्थ्य प्रणाली का एक बहुत बड़ा हिस्सा होते हैं, इसमें हमारी वृद्ध, अक्षमता, जीवन के अंत के समय देखभाल की तथा सामुदायिक देखभाल की प्रणालियाँ भी शामिल हैं। उन्हें देखभाल के अपने काम की शारीरिक, मानसिक, और सामाजिक माँगों पर ध्यान देने के लिए सही जानकारी और सहायता की आवश्यकता होती है।</td></tr>
<tr><td>हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?</td><td>देखभालकर्ताओं को सहायता करने के अपने काम को करने और अपने ख़ुद के स्वास्थ्य और सकुशलता का ध्यान रखने के लिए जिस जानकारी, प्रशिक्षण और सहयोग की ज़रूरत होती है वो उनके पास हो।</td></tr>
</table>

हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. देखभालकर्ताओं में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) सहायता सेवाओं और संसाधनों के बारे में जागरूकता, पहुँच और संतुष्टि में वृद्धि हुई हो। 2. ACCHOs तथा ACCOs में स्थापित सहायता सेवाओं की First Nations [प्रथम राष्ट्रों] से आने वाले देखभालकर्ताओं के लिए सुलभता में वृद्धि हुई हो। 3. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के लिए राहत देखभाल की उपलब्धता में तथा उनके द्वारा इसके उपयोग में वृद्धि हुई हो। 4. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और इन समुदायों से आने वाले देखभालकर्ताओं के लिए साँस्कृतिक रूप से उचित राहत देखभाल की उपलब्धता और उनके द्वारा इसके उपयोग में वृद्धि हुई हो। 5. छोटी आयु में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की शुरुआत के साथ जीवन बिता रहे लोगों के देखभालकर्ताओं और परिवार के सदस्यों के लिए उपलब्ध सहायता में वृद्धि हुई हो। 6. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) देखभालकर्ताओं के बीच, अपने-आप दी गई सकुशलता की सूचनाओं में वृद्धि हुई हो।

कार्य 7: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों की देखभाल और सहायता करने के लिए कार्यबल की क्षमता को बढ़ाना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

मेरी सहायता कर रहे व्यक्ति मनोभ्रंश (डिमेंशिया) को समझते हैं और मेरे बारे में जानने में समय लगाते हैं और मेरी चिंताओं को सुनते हैं। मुझे ऐसी देखभाल, सहायता और जानकारी प्रदान की जाती है जो मेरी आवश्यकताओं को पूरा करती है और जो मेरी व्यक्तिगत परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील है।

हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से संबंधित प्रशिक्षण में सुधार करके, इसमें मूल दक्षताओं में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) पर ध्यान केंद्रित करने को शामिल करना, प्रशिक्षण की तरफ ले जाने वाले मार्गों में सुधार करना और स्वास्थ्य, वृद्ध देखभाल, अक्षमता सहायता तथा देखभालकर्ताओं और स्वयँ-सेवकों सहित अन्य क्षेत्रों के कार्यबलों के लिए अनुभवी परामर्शदाता एवम् सुपरविज़न प्रदान करना भी शामिल है। इससे मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की देखभाल और सहायता के सर्वश्रेष्ठ अभ्यास में, क्षमता बढ़ाने और स्मृति में सहयोग मिलेगा।
2. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों से आने वाले देखभालकर्ताओं और कामगारों को मनोभ्रंश (डिमेंशिया) देखभाल कार्यबल में प्रवेश करने के लिए प्रशिक्षण के मार्गों में सहयोग देकर।
3. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं की आवश्यकताओं को और भी अच्छी तरह से पूरा करने के लिए, सामान्य चिकित्सकों (GPs) नर्सों और नर्स प्रैक्टिशनरों, सम्बद्ध स्वास्थ्य कर्मचारियों तथा एबोरीजनल एवम् टोरस स्ट्रेट आईलैण्डर स्वास्थ्य प्रोफेशनलों सहित प्राथमिक देखभाल कार्यबलों के लिए प्रशिक्षण में सहयोग करके।
4. पुलिस, पैरामेडिक्स, अग्निशमन कर्मचारियों, आपात-स्थिति सेवाओं और सुधार सेवाओं जैसी महत्वपूर्ण सामुदायिक सेवाओं में काम कर रहे लोगों के लिए मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की समझ को बेहतर बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा-आधारित प्रशिक्षण और संसाधनों की सुलभता को बेहतर बनाकर।
5. सार्वजनिक परिवहन, बैंकों, डाकघरों तथा अन्य व्यवसायों सहित स्थानीय सामुदायिक सेवाओं के ग्राहकों में से जो व्यक्ति मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे हैं उनकी बेहतर सहायता के लिए इस प्रकार की सेवाओं द्वारा मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के प्रति जागरूकता और संबंधित प्रशिक्षण को प्रोत्साहन देकर।
6. स्वास्थ्य, अक्षमता तथा वृद्ध देखभाल सेवाओं में, अच्छी, सुरक्षित, व्यक्ति-केन्द्रित तथा साँस्कृतिक रूप से सुरक्षित मनोभ्रंश (डिमेंशिया) देखभाल की संगठनात्मक प्रथाओं को प्रोत्साहन देकर।

परिवर्तन के लिए आवश्यकता	मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों को सर्वश्रेष्ठ देखभाल देने के लिए और उनके मानव अधिकारों का सम्मान करने के लिए सही कौशल होना महत्वपूर्ण है।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	प्राथमिक देखभाल, गहन, सामुदायिक, अक्षमता, स्वास्थ्य तथा वृद्ध देखभाल कार्यबलों को, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों, उनके परिवारों और देखभालकर्ताओं को उच्च गुणवता वाली देखभाल प्रदान करने के लिए जिस प्रशिक्षण और सहयोग प्राप्त हो की आवश्यकता

	हो वो उन्हें मिले। देखभाल, जीवन की गुणवत्ता को हो सके उतना अच्छा बनाने पर ध्यान देने वाली हो, व्यक्ति-केन्द्रित हो, साँस्कृति रूप से सुरक्षित हो और मानव अधिकारों पर आधारित दृष्टिकोण के साथ प्रदान की जाए।
हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में स्वास्थ्य, वृद्ध देखभाल, अक्षमता, तथा सामुदायिक सेवाओं के कार्यबलों के लिए उपलब्ध प्रशिक्षण के अवसरों और संसाधनों में वृद्धि हुई हो। 2. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से संबंधित प्रशिक्षण लेने वाले प्राथमिक देखभाल, गहन, वृद्ध देखभाल, अक्षमता तथा सामुदायिक सेवाओं के कामगारों की सँख्या में वृद्धि हुई हो। इसमें एबोरीजनल तथा टोरस स्ट्रेट आईलैण्डर स्वास्थ्य कर्मचारी तथा स्वास्थ्य प्रैक्टिशनर्स शामिल हैं। 3. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों के साथ काम करने में स्वास्थ्य, सामुदायिक सेवा, अक्षमता और वृद्ध देखभाल क्षेत्रों की क्षमता में वृद्धि हुई हो। 4. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के लोगों के लिए मुख्यधारा के प्रदाताओं द्वारा मनोभ्रंश (डिमेंशिया) देखभाल साँस्कृतिक रूप से सुरक्षित हो।

कार्य 8: मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के आकड़ों को बेहतर बनाना, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) से संबंधित शोध के असर को अधिकाधिक करना और नई खोज (इनोवेशन) को बढ़ावा देना

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे व्यक्तियों के लिए परिणाम वक्तव्य

अनुसंधान मेरे जीवन को और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे अन्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर केन्द्रित है। मेरे पास इस अनुसंधान में भाग लेने के लिए अवसर है। मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिताना मेरे लिए और भी आसान बनाने के लिए परिवर्तनात्मक अभ्यास किए जा रहे हैं। मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के आकड़ों की नियमित रूप से सूचना दी जाती है ताकि मुझे पता लग सके कि सुधार किए जा रहे हैं।

हम चीज़ों में कैसे सुधार करने जा रहे हैं?

1. सभी प्रकार के मनोभ्रंशों (डिमेंशिया) के लिए अनुसंधान, नई खोज और रोकथाम से संबंधित अनुसंधान विचारों को मूर्त रूप देने, ख़तरे मे कमी लाने, पहचान करने, उपचारों (दवा सहित), संपूर्ण देखभाल और प्रबंधन में निवेश को प्रोत्साहन देकर।
2. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान प्राथमिकताओं और फंडिंग संसाधनों के बीच तालमेल को बेहतर बनाकर और मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों और उनके देखभालकर्ताओं को भविष्य में अनुसंधान प्राथमिकताओं को तय करने में शामिल करके।
3. First nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों की परिणामों की समझ को बेहतर बनाकर।
4. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के आकड़ों को बेहतर बनाने के लिए समग्रप्रणाली दृष्टिकोणों को बढ़ाकर, (उदाहरण के लिए क्लिनिकल गुणवत्ता रजिस्ट्रियों के माध्यम से।)
5. अनुसंधान में सहयोग, नीति तथा सेवा योजना के लिए संपूर्ण जानकारी, सुधारों की निगरानी और सभी प्रकार के मनोभ्रंशों (डिमेंशिया) के लिए परिणामों की सूचना देने हेतु स्वास्थ्य, सामाजिक और वृद्ध देखभाल आकड़ों के संग्रहण, सुलभता और एकीकरण में सुधार करके।

परिवर्तन के लिए आवश्यकता	नए मामलों को रोकने और ईलाज तथा देखभाल को बेहतर बनाने के लिए मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में अधिक जानना, हम जो सीखते हैं उसका दैनिक देखभाल में उपयोग करना और चीज़ें करने के लिए नए तरीके अपनाना महत्वपूर्ण है।
हम अगले 10 वर्षों में कहाँ पहुँचना चाहते हैं?	बेहतर राष्ट्रीय मनोभ्रंश (डिमेंशिया) आकड़ों से नीतियाँ और कार्यक्रम बनाने के लिए संपूर्ण जानकारी मिले और समय के साथ सुधारों की निगरानी की जा सके। परिवर्तनकारी तथा विचारों को मूर्त रूप दे सकने वाले अनुसंधान से शुरुआत में ही पता लगाने और निदान, ईलाज और देखभाल के अभ्यास हेतु संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो।

हमें यह कैसे पता चलेगा कि हम परिवर्तन लाए हैं?	1. First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा अन्य विविध समुदायों के व्यक्तियों सहित जीवन में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के अनुभव से गुज़रने वाले अन्य लोगों को सरकारी फंडिंग वाली अनुसंधान परियोजनाओं के सभी चरणों में और ज़्यादा शामिल किया जाता हो। 2. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में, बहुत अच्छी, समकक्ष द्वारा समीक्षा वाली, खुले रूप से उपलब्ध ऑस्ट्रेलियाई शोधों की सँख्या में वृद्धि हुई हो। 3. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) अनुसंधान के लिए मिलने वाली, स्वीकृत ग्रांट्स की सँख्या और पैसों में वृद्धि हुई हो। 4. जिन आकड़ो में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में, First Nations [प्रथम राष्ट्रों] के, CALD तथा क्षेत्रीय, ग्रामीण और सुदूरवर्ती तथा अन्य विविध समुदायों सहित, उच्च प्राथमिकता वाले समूहों में मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के बारे में आकड़े शामिल हों उनके स्त्रोत बेहतर हुए हों (उदाहरण के लिए सर्वे, राष्ट्रीय न्यूनतम डेटासैट्स)। 5. मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के साथ जीवन बिता रहे लोगों की सँख्या की गिनती करने वाले राष्ट्रीय आकड़ो में सुधार हुआ हो।